# मैं तो खाटू जाउगा रोके न रुक पाउगा

हिचकी ऊपर हिचकी आवे भुला रहा संवारा,
फागण की मस्ती में ये दिल हो गया वनवरा,
मैं तो खाटू जाउगा रोके न रुक पाउगा,

मोह माया का छूट जाता है जाके वहा झमेला,
मस्ती का महा कुंभ है मेला ये अलबेला,
लंदन देखा पेरिस देखा फिर भी ये दिल न भरा,
फागण की मस्ती में ये दिल हो गया वनवरा,
मैं तो खाटू जाउगा रोके न रुक पाउगा,

ज्ञान न रहता भले बुरे का मिट जाती है सारी गल,
मैं भी पागल तू भी पागल जिसको देखे वो पागल,
वो चाँद भी देखा तारे देखे फिर भी ये दिल न भरा,
फागण की मस्ती में ये दिल हो गया वनवरा,
मैं तो खाटू जाउगा रोके न रुक पाउगा,

खाटू जाने को जी मचले जिस को देखो तरसता है
बोली सारी ही दुनिया को ऐसा रंग बरसता है,
कितने सावन देखे जोगी फिर भी ये दिल न भरा,
फागण की मस्ती में ये दिल हो गया वनवरा,
मैं तो खाटू जाउगा रोके न रुक पाउगा,

Source:
https://www.bharattemples.com/main-to-khatu-jaauga-roke-na-ruk-paauga/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw